B.Ed IInd year

V.V. Imp.

: Knowledge, Language and Curriculum

Topic :- पठन बोध (Reading Comprehension)

पठन का साधारण अर्थ पढ़ना है। लेकिन पढ़ने के साथ -2 उच्चारण, अर्थ और भाव को समझना भी आवश्यक है।

कैथरीन ओकानर के अनुसार :- "पठन सीखने की वह जटिल प्रक्रिया है, जिसमे सुनने के गतिवाही माध्यमों का मानसिक पक्षो से सम्बन्ध होता है।"

पठन के प्रकार :⇒ स्कीमिंग पठन एवं
⇒ स्कैनिंग पठन

V.V. Imp.

* स्कीमिंग पठन *

स्कीमिंग को हम हिन्दी मे क्षिप्रगामी अथवा द्रुतगामी पठन कह सकते है। स्कीमिंग पठन का सामान्य अर्थ है - पाठ्यवस्तु या विषयवस्तु का मुख्य विचार जानने हेतु पाठ्यवस्तु या विषयवस्तु पर दृष्टिपात करना अथवा नजर दौड़ाना।

स्कीमिंग पठन पाठ्यवस्तु के सामान्य अर्थ को तीव्र गति से जानने-समझने के लिए किया गया पठन है। सामान्यत: समाचारपत्रो, पत्रिकाओ, सन्देशों और ई-मेल आदि का पठन भी इसके अन्तर्गत आता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

* स्कीमिंग पठन के सोपान *

⇒ पाठ्यवस्तु के शीर्षक को पढ़ना।

⇒ पाठ्यवस्तु परिचय अथवा सारांश को पढ़ना।

⇒ पाठ्यवस्तु के प्रथम अनुच्छेद को पूर्ण रूप से पढ़ना।

⇒ पाठ्यवस्तु के उपशीर्षको को पढ़ना और उनके परस्पर सम्बन्ध को देखना।

⇒ अनुच्छेद को पढ़ते हुए क्या, कैसे और कब जैसे प्रश्नो, व्याख्यात्मक संज्ञाओ, तार्किक, इटैलिक, रेखांकित और सामान्य रूप से प्रयोग न किये जाने वाले शब्दो को ध्यान से देखना।

⇒ पाठ्यवस्तु के अन्तिम अनुच्छेद को पूर्ण रूप से ध्यान देकर पढ़ना।

⇒ पाठ्यवस्तु के उन महत्त्वपूर्ण बिन्दुओ को मार्कर से रेखांकित करना, जिनको अधिगमकर्त्ता पढ़ना चाहता है।

* स्कीमिंग पठन की विशेषताएँ या उपयोग *

⇒ स्कीमिंग पठन पूर्व पठन के लिए उपयोगी है।

⇒ स्कीमिंग पठन पुर्नावलोकन मे उपयोगी है।

⇒ स्कीमिंग पठन पाठ्यवस्तु के प्रत्येक शब्द को पढ़े बिना ही उसके अर्थ को समझने मे उपयोगी है।

⇒ स्कीमिंग पठन, उस समय उपयोगी है जब उसके लिए व्यापक अवधान की आवश्यकता नही है।

Scanned with CamScanner

⇒ स्कीमिंग पठन पाठ्यवस्तु के लेखक या अन्य के दृष्टिकोण को समझने मे उपयोगी है।

⇒ स्कीमिंग पठन अधिगमकर्ता को पाठ्यवस्तु के उद्देश्य को यथाशीघ्र समझने मे उपयोगी है।

⇒ स्कीमिंग पठन उस परिस्थिति मे उपयोगी है जब अधिगमकर्ता के मस्तिष्क मे अनेक प्रकार के सामान्य प्रश्न होते है।

⇒ स्कीमिंग पठन परीक्षा के अनन्तर अधिगमकर्ता को अपनी पाठ्यपुस्तक को दोहराने मे उपयोगी है।

⇒ स्कीमिंग पठन परीक्षा के लिए अधिगम कर्ता मे आत्मविश्वास को पैदा करने मे उपयोगी है।

* स्कीमिंग पठन में शिक्षक और छात्रो की भूमिका *

स्कीमिंग पठन को सार्थक बनाने मे शिक्षक और छात्र दोनो की ही भूमिकाएँ महत्त्वपूर्ण है। इसके अन्तर्गत शिक्षक छात्रो के समक्ष कई प्रकार के प्रश्न प्रस्तुत करता है, जैसे- पाठ्यवस्तु से सम्बन्धित, शब्दो और वाक्यो का प्रयोग, लेखक का उद्देश्य क्या है आदि। और छात्र स्कीमिंग पठन के सोपानो और शिक्षक के अनुदेशो के अनुरूप पठन का कार्य करते है।

और शिक्षक और छात्र दोनो मिलकर स्कीमिंग पठन से कम समय मे अधिक-से-अधिक विषय सामग्री को दोहराने मे सफल होते है।

Thankyou

by
Mr. Praveen Raj
Assis. Pro. B.R.C. Deoband
SRE

Scanned with CamScanner